## PYRACLOSTROBIN 133 g/l + EPOXICONAZOLE 50 g/l w/v SE

# Opera® 18. 3% W/V SE

**(Fungicide)**

Opera 18.3 % w/v SE contains 133 g/l of Pyraclostrobin and 50 g/l of Epoxiconazole. It is a very effective fungicide for the control of Tikka disease in groundnut, Cercospora leaf-spot disease in soybean, rust disease in coffee, yellow rust disease in wheat, Alternaria blight disease in cumin, leaf blight of maize and Sigatoka leaf spot in Banana.

**Chemical Composition :**

| S. No. | Ingredient | w/v (g/l) |
|---|---|---|
| 1 | Pyraclostrobin a.i. | 133.0 |
| 2 | Epoxiconazole a.i. | 50.0 |
| 3 | 1,2-propylene glycol | 10.0 |
| 4 | Ethoxylated Alkoxylated Aliphatic Alcohols | 133.0 |
| 5 | Sodium salt of Phenolsulfonic acid, urea and formaldehyde | 40.0 |
| 6 | Complex ethylene oxide-propylene oxide | 20.0 |
| 7 | Polydimethylsiloxane | 0.6 |
| 8 | Polysaccharide gum | 2.5 |
| 9 | Aromatic hydrocarbon | 310.0 |
| 10 | 1,2-benzisothiazolin-3-one plus 2-methy l-4- isothiazol in-3-one | 2.0 |
| 11 | Water | Q.S |
| | **Total** | **1000.0** |

Density of Product – 1.0325 g/cm³

**Application and recommendation for use**

When used as per the recommendation given below, Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50 g/l SE provides effective control of the diseases mentioned in the table.

| Crop | Common name of Disease | Dosage a. i. (grams) | Dosage Formulation (ml) | Dosage Water (Liters) | Waiting period (Days) |
|---|---|---|---|---|---|
| Groundnut | Tikka | 114.37 to 137.25 | 625 ml to 750 ml | 500 | 21 |
| Soybean | Cercospora leaf-spot | 137.25 | 750 ml | 500 | 27 |
| Coffee | Rust | 137.25 | 750 ml | 750 | 37 |
| Wheat | Yellow Rust | 137.25 | 750 ml | 500 | 47 |
| Cumin | Alternaria blight | 137.25 | 750 ml | 500 | 22 |
| Maize | leaf blight | 137.25 | 750 ml | 500 | 48 |
| Banana | Sigatoka leaf spot | 137.25 | 750 ml | 500 | 24 |

**Time of application and crop stage:** Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50 g/l SE is a fungicide to be applied on the above mentioned crops with the onset of the diseases. **Weather conditions:** Should not be applied within 2 hours of anticipated rainfall. **Soil:** No specific conditions. **Application technique, equipment type, nozzle type:** Use either a knapsack or high volume sprayer fitted with an appropriate cone nozzle. Partly fill the sprayer with clean water, then add the appropriate amount of Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50 g/l SE directly into the tank and fill the remaining volume with water. **Dosage:** As per the recommendation given in the table above. **Instruction for mixing:** Partly fill the sprayer with clean water, then add the appropriate amount of Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50 g/l SE directly into the tank and fill the remaining volume with water. **Re-entry period:** after the spray dries. **PHI:** As per the recommendation given in the table above. **Application timing:** No restriction. **Frequency including maximum number of sprays:** 2-3 depending upon the disease severity **Stages during which fungicide should not be applied on any crop:** No restriction. **Not to be used on crops other than mentioned on this label/ leaflet. Storage:** 1.The package containing the fungicide shall be stored in separate rooms under lock and key 2.The store room or premises should be away from the children and livestock. 3.The rooms or premises meant for storing the fungicide shall be well built, airy, well-lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour. **Safety precautions:** 1. Wear chemical-resistant gloves when mixing and when spraying. 2. Wear long sleeved shirts and long trousers when mixing and when spraying. 3. Wear covered footwear (boots or covered shoes) when mixing and when spraying. 4. Wear eye protection (face shield, goggles or safety glasses) when mixing. 5. Avoid contact with skin or eyes. 6. Do not eat drink or smoke during work. 7. Wash your whole body with soap and water after work. 8. Pregnant women should avoid contact with Epoxiconazole formulations. 9. Do not enter the area until the spray is completely dry. **Poisoning Symptoms:** Harmful if swallowed, harmful if inhaled, may irritate nose and throat. Eye and skin irritation may occur. **First Aid:** In case of skin contact remove contaminated clothes immediately. Wash the contaminated skin thoroughly with soap and water. If poisoning occurs, contact a doctor or poison information center. If eyes are contaminated, flush immediately with plenty of water for 15 minutes. If swallowed, wash the mouth out, then drink a glass of water. DO NOT induce vomiting. **Advice to Physician:** In case of poisoning apply symptomatic therapy. **Antidote:** There is no specific antidote. Treat the patient symptomatically. **Warning:** Dangerous to reuse empty container. **Disposal of containers:** 1. Empty packages or surplus materials or washing from the sprayers or containers should be disposed of in a safe manner so as to not cause environmental or water pollution. Do not contaminate river, streams or ponds with spray washings or used packaging materials. Contaminated water may be harmful to fish and other aquatic organisms. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Triple rinse empty containers and dispose in safe and approved manner.

**Manufactured by :** BASF Espanola S.L. Ctra. Nacional 340 km 1156, 43006 Tarragona, Spain.

**Imported, Re-packed and Marketed by : BASF India Limited. Registered office :** Plot no.37, Chandivali Farm Road, Chandivali, Andheri (E), Mumbai - 400072, India.

**Factory :** Unit No. 4 ,Village Nimbua, P. O Mubarakpur - 140201, Tehsil Dera Bassi, Distt. Mohali , Punjab.

**English**

## पायरोक्लोस्ट्रोबीन १३३ ग्राम/ली + ईपॉक्सीकोनाझोल ५० ग्राम/ली भार/आ एस ई

# ओपेरा™१८.३% भा/आ एस ई

**(फफूँदनाशक)**

केवल सिफारीश की गयी फसलों पर प्रयोग करें। ओपेरा १८.३% एस ई में १३३ ग्राम/ली. पायरोक्लोस्ट्रोबीन और ईपॉक्सीकोनाझोल ५० ग्राम/ली. शामिल है। यह एक बहुत असरदार फफूँदनाशक है जिसका इस्तेमाल मूंगफली के फसल में आनेवाले टिक्का रोग, सोयाबीन के फसल में आनेवाले **सरकोस्पोरा** लीफ स्पॉट, कॉफी के फसल में आनेवाले रेतुआ (रस्ट रोग), गेहूँ के फसल में आनेवाले पिला रेतुआ (रस्ट रोग), जीरा के फसल में आनेवाले अल्टरनेरिया ब्लाईट रोग, मक्का के फसल में आनेवाले पत्ती झुलसा रोग और केला में सिगाटोक लीफ स्पॉट रोग नियंत्रण के लिये किया जाता है।

**रासायनिक घटक :**

| अनु. क्र. | घटक | भा/आ (ग्राम/ली) |
|---|---|---|
| १. | **पायरोक्लोस्ट्रोबीन** (सक्रिय घटक) | १३३.० |
| २. | **ईपॉक्सीकोनाझोल** (सक्रिय घटक) | ५०.० |
| ३. | १,२-प्रोपिलिन ग्लाइकोल | १०.० |
| ४. | इथोक्सीलेटेड अल्कोसीलेटेड अलीफेटीक अल्कोहल | १३३.० |
| ५. | सोडियम साल्ट फिनोलसल्फोनीक एसिड युरिया और फॉरमलहाइड उत्पाद का सोडीयम साल्ट | ४०.० |
| ६. | कॉम्प्लेक्स इथिलिन ऑक्साइड-प्रोपलिन ऑक्साइड | २०.० |
| ७. | पोलिडाइमिथाइलसिलोक्सेन | ०.६ |
| ८. | पॉलीसाकराईड गम | २.५ |
| ९. | अरोमेटीक हाईड्रोकार्बन | ३१०.० |
| १०. | १,२-बेन्झीसोथिआजोलिन-३-वन प्लस २-मिथाईल-आई-४-आइसोथिआजोल-३-वन | २.० |
| ११. | पानी | पर्याप्त मात्रा |
| | कुल | १००००. |

घनत्व – 1.0325 ग्राम/से.मी.³

**प्रयोग का तरीका और सिफारिशें :** नीचे दिये गये निर्देशानुसार इस्तेमाल करने पर पायरोक्लोस्ट्रोबीन १३३ ग्राम/ली + ईपॉक्सीकोनाझोल ५० ग्राम/ली भार/एस ई तालिका में दिए गये फसलों के रोगों का नियंत्रित करता है।

| फसल | रोग का सामान्य नाम | मात्रा / हे. स.घ. (ग्रा) | मात्रा / हे. नुस्खा (मिली) | मात्रा / हे. पानी (लीटर) | प्रतीक्षा अवधि (दिन) |
|---|---|---|---|---|---|
| मूंगफली | टिक्का | ११४.३७ से १३७.२५ | ६२५-७५० | ५०० | २१ |
| सोयाबीन | सरकोस्पोरा लीफ स्पॉट | १३७.२५ | ७५० | ५०० | २७ |
| कॉफी | रेतुआ (रस्ट रोग) | १३७.२५ | ७५० | ७५० | ३७ |
| गेहूँ | पिला रेतुआ (रस्ट रोग) | १३७.२५ | ७५० | ५०० | ४७ |
| जीरा | अल्टरनेरिया ब्लाईट रोग | १३७.२५ | ७५० | ५०० | २२ |
| मक्का | पत्ती झुलसा रोग | १३७.२५ | ७५० | ५०० | ४८ |
| केला | सिगाटोक लीफ स्पॉट रोग | १३७.२५ | ७५० | ५०० | २४ |

**प्रयोग का समय एवं उपयोग के लिए फसल की प्रस्थिति :** पायरोक्लोस्ट्रोबीन १३३ ग्राम/ली + ईपॉक्सीकोनाझोल ५० ग्राम/ली भार/एस ई एक फफूँदनाशक है, जिसको ऊपरोक्त तालिका में दी गई फसलों में रोगके प्रथम चिन्ह दिखते ही प्रयोग करे, फसल की अवस्था का कोई प्रभाव नहीं। **मौसम दशाएं :** वर्षा की संभावना से २ घंटे पहले प्रयोग ना किया जाये। **मृदा :** मृदा की अवस्था का कोई प्रभाव नहीं। **उपयोग तकनीक, उपस्कर प्रकार, नोजल प्रकार :** उपयोग की आवश्यक मात्रा मार्क और थोड़े से पानी में इसे अच्छे से मिलाएँ। निर्देशानुसार दिलाते हुए पानी की शेष निर्दिष्ट मात्रा डालें और पैरामोक स्प्रेयर या हाइ वोल्यूम स्प्रेयर से छिड़काव करे। **मात्रा :** उपरोक्त तालिका के अनुसार। **मिश्रण के लिए अनुदेश :** उपयोग की आवश्यक मात्रा मार्क और थोड़े से पानी में इसे अच्छे से मिलाएँ। निर्देशानुसार हिलाते हुए पानी की शेष निर्दिष्ट मात्रा डालें। पूर्ण प्रयोग की अवधि / पुन: प्रवेश : स्प्रे के सूखने के बाद। **पूर्व फसल का अंतराल :** उपरोक्त तालिका के अनुसार। **उपयोग का समय निर्धारण :** कोई विशेष समय मात्रा नहीं। **आवृत्ति जिसके अंतर्गत छिड़काव की अधिकतम संख्या :** २ से ३ छिड़काव रोग की अवस्था के अनुसार। **प्रतिबंधित जिसके दौरान फफूँदनाशक किसी फसल पर अनुयुक्त नहीं होंगे :** कोई विशेष बाधा नहीं। **लेबल और पर्ची पर उल्लिखित न होने की स्थिति में, इसका प्रयोग फसल पर न करें। भंडारण :** १.फफूँदनाशक युक्त पैकेज को रखने के लिए प्रयुक्त कमरों में अलग आलमारी में तालाबंद करके रखना चाहिए। २. भंडारण कक्ष बच्चों और पालतू जानवरों से दूर होने चाहिए। ३. फफूँदनाशक के भंडारण हेतु प्रयुक्त कमरे या आहाते सुरक्षादिक, हवादार, सुनियोजित और खुले हुए होने चाहिए ताकि वाष्प से दूषण टाला जा सके। **सुरक्षा पूर्वावधियां :** १. घोल बनाते समय एवं स्प्रे करते समय रसायन प्रतिरोधी दस्ताने पहने। २. घोल बनाते समय एवं स्प्रे करते समय लंबे बाजूवाला कुरता और पूरा पायजामा पहने। ३. घोल बनाते समय एवं स्प्रे करते समय पैरों को ढकने वाले जूते पहने । ४ आँखों के सुरक्षा के लिए नकाब या सुरक्षित चश्मा पहन कर घोल बनाए। ५. घोल बनाते समय त्वचा और आँखोंसे संपर्क टालें। ६. स्प्रे करते समय खाना, पीना और धूम्रपान ना करें। ७. कार्य समाप्त होने के पश्चात पूरे शरीर को साबून और पानी से धोयें। ८. गर्भवती स्त्रियां ईपॉक्सीकोनाझोल से बने किसी भी पदार्थ के संपर्क में आने से बचें। ९. स्प्रे के सूखने तक क्षेत्र में ना जाएं। **विषबाधा के लक्षण :** निगलने या सूँघने पर हानिकारक हो सकता है। नाक व गले में जलन हो सकती है। आँख व त्वचा में जलन हो सकती है। **प्रथम उपचार :** त्वचा के संपर्क में आने पर दूषित कपड़े तुरंत निकालें। साबुन और पानी से दूषित त्वचा अच्छे से धोएँ। विष के सेवन आने पर चिकित्सक की या विष सूचना केंद्र से संपर्क करे। आँख में पड़ने पर अत्यधिक पानी से कम से कम १५ मिनट तक प्रभावित आँखें धोएँ। निगलने पर तुरंत मुँह धोएँ और बाद में खूब पानी पिएँ। उल्टी ना करवाइये। **चिकित्सक को सलाह :** विषबाधा होने पर मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें। **विष निवारण :** कोई विशिष्ट विष निवारण नहीं है। मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें। **चेतावनी:** रिक्त आधान पुन: उपयोग के लिए खतरनाक. **कंटेनरों / उपयोग किये गये आधानों का सुरक्षित निपटान :** १. पैकेजों या बची सामग्रियों और मशीनों व कंटेनरों की धोवन का निपटान सुरक्षित ढंग से करना चाहिए ताकि पर्यावरण व जल प्रदूषण न हो। नदी, तालाब व धारायों के जल को स्प्रे के धोवन और इस्तेमाल की गई पैकेजिंग सामग्री से दूषित ना करें। दूषित जल मछली व अन्य जलीय जीव के लिए हानिकारक हो सकता है। २. उपयोग किए गए पैकेज बाहर न छोड़ा ताकि उनका दोबारा उपयोग न हो। ३ पैकेज को तीन बार स्वच्छ पानी से धोने के बाद सुरक्षित तरीके से निपटाएं।

**निर्माता :** बी ए एस एफ एस्पानोल एस. एल. सीटीआरए. नेसिओनल ३४० केएम ११५६ , ४३००६ ताररागोना, स्पेन.

**आयातकर्ता, पुन:पैकिंगकर्ता तथा विपणनकर्ता : बी ए एस एफ इंडिया लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय :** प्लॉट नं. ३७, चांदिवली फार्म रोड, चांदिवली, अंधेरी (ई) मुंबई - ४०००७२, इंडिया.

**फैक्टरी :** यूनिट नं. ४, गांव निंबुआ, पो. मुबारकपूर - १४०२०१, तहसिल देरा बस्सी, जिला. मोहाली, पंजाब

**Hindi**

## પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન ૧૩૩ ગ્રા./લિ. + ઈપોક્સીકોનેઝોલ ૫૦ ગ્રા./લિ. ડબ્લ્યુ/વી એસઈ

# ઓપેરા™ ૧૮.૩% ડબ્લ્યુ/વી એસઈ

**(ફૂગનાશક)**

ઓપેરા ૧૮.૩% એસઈમાં ૧૩૩ ગ્રા./લિ. પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન અને ૫૦ ગ્રા./લિ. ઈપોક્સીકોનેઝોલ સમાવિષ્ટ છે. તે મગફળીમાં ટિક્કા રોગ, સોયાબીનમાં સર્કોસ્પોરા પાંદડા ડાઘના રોગ, કોફીમાં રેતુ રોગ, ઘઉંમાં પીળા રેતુના રોગ, જીરૂંમાં આલ્ટરનેરિયા બ્લાઇટ રોગ અને મકાઈમાં પાંદડી (બ્લાઇટ) અને કેળામાં સિગાટોકા પાન ડાઘને સુકારાને કાબૂમાં લેવા માટે અત્યંત અસરકારક ફૂગનાશક છે.

**રાસાયણિક સંયોજન :**

| અનુક્રમ | રામગ્રીઓ | ડબ્લ્યુ/વી (ગ્રા./લિ.) |
|---|---|---|
| ૧. | પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન એ.આઈ. | ૧૩૩.૦ |
| ૨. | ઈપોક્સીકોનેઝોલ એ.આઈ. | ૫૦.૦ |
| ૩. | ૧,૨- પ્રોપીલીન ગ્લાયકોલ | ૧૦.૦ |
| ૪. | ઇથોક્સીલેટેડ આલ્કોક્સીલેટેડ એલિફેટિક આલ્કોહોલ્સ | ૧૩૩.૦ |
| ૫. | ફિનોલસલ્ફોનિક એસિડ, યુરિયા અને ફોર્મેલ્ડિહાઇડનું સોડિયમ સોલ્ટ | ૪૦.૦ |
| ૬. | કોમ્પ્લેક્સ ઇથિલિન ઓક્સાઇડ-પ્રોપિલીન ઓક્સાઇડ | ૨૦.૦ |
| ૭. | પોલીડિમિથાઇલસિલોક્સેન | ૦.૬ |
| ૮. | પોલિસેકેરાઇડ ગમ | ૨.૫ |
| ૯. | એરોમેટિક હાઇડ્રોકાર્બન | ૩૧૦.૦ |
| ૧૦. | ૧, ૨- બેન્ઝીસોથિયાઝોલિન- ૩- વન પ્લસ ૨- મિથાઇલ ૧-૪- આઇઝોથિયાઝોલ ઇન-૩-વન | ૨.૦ |
| ૧૧. | પાણી | ક્યુએસ |
| | કુલ | ૧૦૦૦.૦ |

પ્રોડક્ટની ઘનતા – ૧.૦૩૨૫ ગ્રા./સેમી.³

**છંટકાવ અને ઉપયોગ માટે ભલામણો :** નીચે આપ્યા મુજબ ભલામણ અનુસર ઉપયોગ કરાય ત્યારે પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન ઓટર ટીઇ ૧૩૩ ગ્રા **અને** ઈપોક્સીકોનેઝોલ સિટર ટીઇ ૫૦ ગ્રા કોષ્ટકમાં આપેલ રોગોને કાબૂમાં લેવા માટે અસરકારકતા પૂરી પાડે છે.

| પાક | રોગનું સામાન્ય નામ | ઓ.આઈ. (ગ્રામ) | ઉલ્ટરટીઇ માત્રા સંરચના (મિલી) | ઉલ્ટરટીઇ માત્રા પાણી (લિટર) | બોળવાનો સમયગાળો (દિવસો) |
|---|---|---|---|---|---|
| મગફળી | ટિક્કા | ૧૧૪.૩૭ થી ૧૩૭.૨૫ | ૬૨૫ મિલિથી ૭૫૦ મિલિ | ૫૦૦ | ૨૧ |
| સોયાબીન | સર્કોસ્પોરા પાન ડાઘ | ૧૩૭.૨૫ | ૭૫૦ મિલિ | ૫૦૦ | ૨૭ |
| કોફી | રેતુ | ૧૩૭.૨૫ | ૭૫૦ મિલિ | ૭૫૦ | ૩૭ |
| ઘઉં | પીળું રેતુ | ૧૩૭.૨૫ | ૭૫૦ મિલિ | ૫૦૦ | ૪૭ |
| જીરું | આલ્ટરનેરિયા બ્લાઇટ | ૧૩૭.૨૫ | ૭૫૦ મિલિ | ૫૦૦ | ૨૨ |
| મકાઈ | પાંદડી (બ્લાઇટ) સુકારો | ૧૩૭.૨૫ | ૭૫૦ મિલિ | ૫૦૦ | ૪૮ |
| કેળા | સિગાટોકા પાન ડાઘ | ૧૩૭.૨૫ | ૭૫૦ મિલિ | ૫૦૦ | ૨૪ |

**છંટકાવનો સમય અને પાકનો તબક્કો:** પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન સિટર ટીઇ ૧૩૩ ગ્રા અને ઈપોક્સીકોનેઝોલ સિટર ટીઇ ૫૦ ગ્રા રોગ લાગુ થતા સાથે ઉક્ત ઉલ્લેખિત પાક પર છંટકાવ કરવાનો રહે છે. **હવામાનની સ્થિતિઓ:** જો વરસાદ અપવર્ષાની શક્યતા હોય તો રોપા ૨ કલાક પૂર્વે છંટકાવ નહીં કરવો જોઇએ. **માટી:** ચોક્કસ સ્થિતિ નથી. **છંટકાવની ટેકનિક, ઉપકરણોનો પ્રકાર, નોઝલની પ્રકાર:** નોપસોક અથવા ઓચ્ચ કોન નોઝલથી ફિટ કરેલું હાઈ વોલ્યુમ સ્પ્રેયર ઉપયોગ કરો. સ્પ્રેયરમાં સ્વચ્છ સ્વચ્છ પાણી ભરો, તે પછી ટાંકીમાં સીધા જ જરૂરિયાત પ્રમાણમાં પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન સિટર ટીઇ ૧૩૩ ગ્રા અને ઈપોક્સીકોનેઝોલ સિટર ટીઇ ૫૦ ગ્રા ઉમેરો અને ત્યાર પછી બાકી પાણીની માત્રા ઉમેરો. **માત્રા:** ઉક્ત કોષ્ટકમાં આપેલી ભલામણ અનુસાર. **મિશ્રણ માટે સૂચનાઓ:** સ્પ્રેયરને આંશિક સ્વચ્છ પાણીથી ભરો, ત્યાર પછી ટાંકીમાં સીધા માત્રામાં પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન સિટર ટીઇ ૧૩૩ ગ્રા અને ઈપોક્સીકોનેઝોલ સિટર ટીઇ ૫૦ ગ્રા ઉમેરો અને ત્યાર પછી બાકી પાણીથી ભરી દો. **પુનઃપ્રવેશ સમયગાળો:** છંટકાવ સુકાયા પછી. **પીએચઆઇ:** ઉક્ત કોષ્ટકમાં આપેલી ભલામણ અનુસાર. **છંટકાવની સમય:** કોઈ નિયંત્રણો નહીં. **છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા સહિત આવૃત્તિતા:** રોગની તીવ્રતાના આધારે ૨–૩. **કોઈ પણ પાક પર ફૂગનાશકોની છંટકાવ નહીં કરવો જોઇએ તે તબક્કા:** કોઈ નિયંત્રણો નહીં. **આ પત્રક/ લેબલમાં લિખિત સિવાયના પાક પર અજમાવવો નહીં. સંગ્રહ:** ૧. ફૂગનાશકોનો સમાવેશ ધરાવતા પેકેજ તાળા– ચાવીવાળા અલગ રૂમમાં સંગ્રહ કરવો જોઇએ. ૨. સંગ્રહળો રૂમ અથવા વાડમાં બાળકો અને ઝોલ્ટાંગરથી દૂર હોવા જોઇએ. ૩. નિશ્ચિત અને છંટકાવ કરવા સમયે આખરીત પગરખાં (આખરીત જોડા કે બૂટ) પહેરે. ૪. નિશ્ચિત કરવા સમયે આંખોનું રક્ષણ (મોઢાનું રક્ષક, સુરક્ષા કાચ કે ગોગલ્સ) ધારણ કરો. ૫. આંખ અને ત્વચા સાથે સંપર્ક ટાળો. ૬. કામ દરમિયાન કશું ખાવું કે પીવું નહીં. ૭. કામ પછી તમારું આખું શરીર સાબુ અને પાણીથી ધોઈ નાખો. ૮. ગર્ભવતી સ્ત્રીએ ઈપોક્સીકોનેઝોલ સંરચના સાથે સંપર્ક ટાળવો જોઇએ. ૯. છંટકાવ સંપૂર્ણ સુકાઈ નહીં જાય ત્યાં સુધી તે વિસ્તારમાં પ્રવેશ નહીં કરવો. **ઝેરમાં લક્ષણો:** ગળી જવાય તો હાનિકારક, શ્વાસ લેવાય તો હાનિકારક, નાક અને ગળામાં બળતરા થઇ શકે છે. આંખ અને ત્વચામાં બળતરા થઇ શકે છે. **પ્રાથમિક ઉપચાર:** જો ત્વચા સાથે સંપર્ક થાય તો કપડાં તાત્કાલિક કાઢી નાખો. દૂષિત ત્વચા સાબુ અને પાણીથી સારુ ધોઈ નાખો. જો ઝેર લાગે તો ડોક્ટર અથવા માહિતી કેન્દ્રનો સંપર્ક કરો. જો આંખે દૂષિત થાય તો ૧૫ મિનિટ સુધી ભરપૂર પાણીથી ધુવો. જો ગળી જવાય તો થૂંકી નાખો અને ત્યાર પછી એક ગ્લાસ પાણી પી જાઓ. બળજબરીથી ઊલટી નહીં કરાવો. **તબીબને સલાહ:** જો ઝેર લાગુ થાય તો લક્ષણાત્મક ઉપાય કરો. **વિષનાશક:** ચોક્કસ વિષનાશક દ્રાવ નથી. દર્દીની લક્ષણા અનુસાર ઉપચાર કરો. **ચેતવણી :** ખાલી કન્ટેનરની ફરીથી ઉપયોગ કરવાનું ખતરનાક છે. **ઉપયોગ કરેલા કન્ટેનરો સુરક્ષિત નિકાલ :** ૧. પેકેજો યા બચી સામગ્રીઓ અને મશીનો વ કંટેનરો કી ધોવન કા નિપટાવ સુરક્ષિત ઢંગ સે કરના ચાહિए તાકિ પર્યાવરણ વ જલ પ્રદૂષણ ન હો। નદી, તાલાબ વ ધારાઓ કે જલ કો સ્પ્રે કે ધોવન ઔર ઇસ્તેમાલ કી ગઈ પૈકેજિંગ સામગ્રી સે દૂષિત ના કરેં। દૂષિત જલ મછલી વ અન્ય જલીય જીવ કે લિए હાનિકારક હો સકતા હૈ। ૨. ઉપયોગ કિए গए પૈકેજ બાહર ન છોડ્યા તાકિ ઉનકા દોબારા ઉપયોગ ન હો। ૩ પૈકેજ કો તીન બાર સ્વચ્છ પાની સે ધોને કે બાદ સુરક્ષિત તરીકે સે નિપટાએં।

**નિર્માતા :** બી ઇ એસ એફ એસ્પાનોલ એસ. સીટીઆરએ. નેસિઓનલ ૩૪૦ કેએમ ૧૧૫૬ , ૪૩૦૦૬ તારરાગોના, સ્પેન.

**આયાતકર્તા, ફરી પેકિંગકર્તા તથા વિપણનકર્તા : બી ઇ એસ એફ ઇંડિયા લિમિટેડ, પંજીકૃત કાર્યાલય :** પ્લૉટ નં. ૩૭, ચાંદિવલી ફાર્મ રોડ, ચાંદિવલી, અંધેરી (ઈ) મુંબઈ - ૪૦૦૦૭૨, ઇંડિયા.

**ફેક્ટરી :** યુનિટ નં. ૪, ગાંવ નિંબુઆ, પો. મુબારકપૂર - ૧૪૦૨૦૧, તહસિલ દેરા બસ્સી, જિલા. મોહાલી, પંજાબ

**Gujarati**

## पायराक्लोस्ट्रोबिन १३३ ग्रॅ./लि. + एपोक्सिकोनाझोल ५० ग्रॅ./लि. भा/आ एसई

# ओपेरा™ १८.३% भा/आ एसई

**(बुरशीनाशक)**

ओपेरा १८.३% एसई गव्हे पायराक्लोस्ट्रोबिन १३३ ग्रॅ./लि. आणि ५० ग्रॅ./लि. एपोक्सिकोनाझोल असते. हे भुईमूगावरील टिक्का, सोयाबीनवरील सर्कोस्पोरा लिफ स्पॉट, कॉफीवरील तांबेरा, गव्हावरील पिवळा तांबेरा, जिऱ्यावरील अल्टरनेरिया ब्लाईट, मक्यावरील लीफ ब्लाईट आणि केळ्यावरील सिगाटोका लिफ स्पॉट या रोगांवर नियंत्रण मिळविण्यासाठी अत्यंत प्रभावी बुरशीनाशक आहे.

**रासायनिक संरचना :**

| अनु क्र. | घटक | भा/आ (ग्रॅ./लि.) |
|---|---|---|
| १. | पायराक्लोस्ट्रोबिन स.घ. | १३३.० |
| २. | एपोक्सिकोनाझोल स.घ. | ५०.० |
| ३. | १, २-प्रॉपिलिन ग्लायकॉल | १०.० |
| ४. | इथोक्सीलेटेड अल्कोक्सीलेटेड ॲलिफॅटिक अल्कोहोल्स | १३३.० |
| ५. | सोडियम सॉल्ट ऑफ फेनॉलसल्फोनि ॲसिड, युरिया आणि फार्मालडिहाइड | ४०.० |
| ६. | कॉम्प्लेक्स इथिलिन ऑक्साइड-प्रॉपिलीन ऑक्साइड | २०.० |
| ७. | पॉलिडिमिथाईलसिलोक्सेन | ०.६ |
| ८. | पॉलिसॅक्युराइड गम | २.५ |
| ९. | ॲरोमॅटिक हायड्रोकार्बन | ३१०.० |
| १०. | १,२ बेन्झिसोथायॉक्झिलिन-३-वन प्लस २ मिथाइल-४-आयसोथायाझोल इन ३ | २.० |
| ११. | पाणी | पर्याप्त मात्रा |
| | **एकूण** | **१०००.०** |

उत्पादनाची घनता= १.०३२५ ग्रॅम/सेमी³

**उपयोग आणि वापरासाठी शिफारसी**

खाली दिलेल्या शिफारशीनुसार वापर केल्यास पायराक्लोस्ट्रोबिन १३३ ग्रॅ./लि. + एपोक्सिकोनाझोल ५० ग्रॅ./लि. एसई पुढे नमूद केलेल्या कोष्टकातील रोगांवर प्रभावी नियंत्रण मिळवून देते.

**वापर:**

| पिक | रोगाचे सामान्य नाव | मात्रा स.घ. (ग्रॅम्स) | मात्रा रसायन (मिलि) | मात्रा पाणी (लिटर्स) | प्रतिक्षा कालावधि (दिवस) |
|---|---|---|---|---|---|
| भुईमूग | टिक्का | ११४.३७ ते १३७.२५ | ६२५ मिलि ते ७५० मिलि | ५०० | २१ |
| सोयाबीन | सर्कोस्पोरा लिफ स्पॉट | १३७.२५ | ७५० मिलि | ५०० | २७ |
| कॉफी | तांबेरा | १३७.२५ | ७५० मिलि | ७५० | ३७ |
| गहू | पिवळी तांबेरा | १३७.२५ | ७५० मिलि | ५०० | ४७ |
| जिरे | अल्टरनेरिया ब्लाईट | १३७.२५ | ७५० मिलि | ५०० | २२ |
| मक्का | लिफ ब्लाईट | १३७.२५ | ७५० मिलि | ५०० | ४८ |
| केळी | सिगाटोका लिफ स्पॉट | १३७.२५ | ७५० मिलि | ५०० | २४ |

**उपयोगासाठी वेळ व पिकाचा टप्पा:** पायराक्लोस्ट्रोबिन १३३ ग्रॅ./लि. + एपोक्सिकोनाझोल ५० ग्रॅ./लि. एसई हे नोंगाव प्रादुर्भाव होताच वर नमूद केलेल्या पिकांवर वापरल्यास येते. **हवामानाची स्थिती:** पावसाची अपेक्षा असलाना २ तासांच्या आत वापरल्यास नये. **जमीन:** कोणतीही विशिष्ट स्थिती नाही. **वापराचे तंत्र, उपकरणाचा प्रकार, नोझलचा प्रकार:** सुरोगप्र कोन नोझल बसविलेला नॅपसॅक किंवा हाइ व्हॉल्यूम स्प्रेअरचा वापर करा. पचावणी पात्रात अंशत: स्वच्छ पाणी भरा, नंतर सेट टाकीमध्ये योग्य ला आकारानाचे पायराक्लोस्ट्रोबिन १३३ ग्रॅ./लि. + एपोक्सिकोनाझोल ५० ग्रॅ./लि. एसई टाका आणि बाकीच्या आकारनाचूकाचे पाणी टाका. **मात्रा:** वरील कोष्टकात दिलेल्या शिफारशीनुसार. **मिश्रणासाठी सूचना:** पचावणी पात्रात पंपाचा अंशत: स्वच्छ पाणी भरा, नंतर सेट टाकीमध्ये योग्य ला आकारनाचे पायराक्लोस्ट्रोबिन १३३ ग्रॅ./लि. + एपोक्सिकोनाझोल ५० ग्रॅ./लि. एसई टाका आणि बाकीच्या आकारनाचूकाचे पाणी टाका. **पुर्नवापर कालावधी:** फवारणी सुकल्यानंतर. **पीएचआय:** वरील कोष्टकात शिफारस केल्यानुसार. **वापराची वेळ:** कोणतेही बंधन नाही **फवारणीच्या कमाल संख्येसह वारंवारीता:** २-३ रोगाच्या तीव्रतेनुसार. **बुरशीनाशक वापरू नये असे कोणत्याही पिकावे टप्पे:** वरील नाही. **हे लेबल/पत्रक यामध्ये नमूद केलेल्या व्यतिरीक्त इतर पिकांवर वापर करण्यात येऊ नये. साठवण:** १ बुरशीनाशक असलाले ठवे कडीकुलुपात बंद करून स्वतंत्र खोल्यांमध्ये साठवून ठेवावेत. २. साठवणीच्या खोल्या व जागा मुले आणि उपयुक्त पाळीव पशू, यांच्यापासून लांब असाव्यात. ३. बुरशीनाशके ठेवण्याची खोली किंवा जागा व्यवस्थित बांधलाय असलेली कोरडी वाऱ्याची खिडकी असलेली आणि बाष्पीभवनामुळे प्रदूषण होणार नाही एवढ्या आकारमानाची असावी. **सुरक्षितेची खबरदारी:** १. मिश्रण तयार करताना व फवारणी करताना रसायन प्रतिरोधक हातमोजे वापरा. २. मिश्रण तयार करताना व फवारणी करताना लांब बाहांचे शर्ट, लांब विजारी परिधान करा. ३. मिश्रण तयार करताना व फवारणी करताना पाय झाकून टाकणारी पादत्राणे (बूट्स किंवा शूज) वापरा. ४. मिश्रण तयार करताना डोळ्यांचा सुरक्षितेसाठी साधने (फेस शिल्ड, गॉगल्स किंवा सेफ्टी ग्लासेस) परिधान करा. ५. त्वचा किंवा डोळे यांच्याशी संपर्क टाळा देहक नका. ६. काम सुरु असताना कशी खाऊनिंक नका व धूम्रपान करू नका. ७. काम संपल्यानंतर संपूर्ण कलेर साबण व पाणी वापरून सुटूट करा. ८. संरोपर स्त्रियांनी एपोक्सिकोनाझोल रसायनांशी संपर्क येऊ देऊ नये. ९. फवारणीचा द्राव सुकूपर्यंत सुरूस जाईपर्यंत त्या विभागात प्रवेश करू नका. **विषबाधेची लक्षणे:** गिळले केल्यास अपायकारक, श्वासात नेल्यास अपायकारक, नाक व घसा यांना दाह निर्माण होऊ शकतो. डोळे व त्वचा यांना दाह निर्माण होऊ शकतो. **प्रथमोपचार:** त्वचेशी संपर्क झाल्यास दूषित कपडे तात्कडीच काढा. दूषित त्वचा साबण व पाणी वापरून व्यवस्थित धुवून काढा. विषबाधा झाल्यास डॉक्टर किंवा पॉयझन इन्फॉर्मेशन सेंटर बरोबर संपर्क साधा. डोळ्यांशी संपर्क झाल्यास ताबडतोब १५ मिनिटे स्वच्छ पाण्याचे हबके मारा. शिळ्ळे गेल्यास तोंड स्वच्छ धुवा व खालभर पाणी प्या. ओकाच्या काढू नका. **डॉक्टरांसाठी सल्ला:** विषबाधा झाल्यास लक्षणानुसार उपचार करा. **उतारा:** निश्चित उतारा नाही. लक्षणांनुसार रोगांवर उपचार करा. **रोगचाची सूचना:** विलाप्या कंटेनरची पुनरुपयोग करणे धोकादायक आहे. **वापरलेले कंटेनर सुरक्षितपणे नष्ट करणे:** १. पायॅकस किंवा राखी यांचे प्रदूषण होऊनये म्हणून ही. **उपयोग केलेल्या डब्यांची सुरक्षित विल्हाट** विलाने ब्रके किंवा उपलब्धे स्थानम अथवा फवारणी किंवा ब्रके राखे हुवाना वापरलेले डब्यांची साफ्री यांच्याद्वारे नद्या, जलप्रवाह किंवा तळे दूषित करू नका. अशाप्रकारे दूषित झालेले पाणी मासे व इतर जलचर यांच्यासाठी हान

## পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল ৫০ গ্রাম/লিঃ ওজন/ভার এসই

## অপেরা ™১৮.৩% ওজন/ভার এসই

(ছত্রাকনাশক)

অপেরা ১৮.৩% ওজন/ভার এসই'তে আছে ১৬৩ গ্রাম/লিঃ পাইরাক্লোস্ট্রোবিন এবং ৫০ গ্রাম/লিঃ ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল। এটি টানেবাসাদের চেয়ারে ভজন, ভারপর চিজের সারকোস্পোরা পাতায় দাগ রোগ, কর্ণিদ মরচে রোগ, গমের হলদে মরচে রোগ, জিরার পর্যায়ক্রমে হসা রোগ, ভুট্টার পাতা হসা আর কলার সিগাটোকা পাতায় দাগ নিয়ন্ত্রণে ভালো অত্যন্ত প্রভাবাত্মক ছত্রাকনাশক।

**রাসায়নিক সংশ্লিষ্ট :**

| ক্রম নং | উপাদান | ওজন/ভর (গ্রাম/লিঃ) |
|---|---|---|
| ১. | পাইরাক্লোস্ট্রোবিন সহ উঃ | ১৬৩.০ |
| ২. | ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল সহ উঃ | ৫০.০ |
| ৩. | ১,২-প্রোপাইলিন গ্লাইকল | ১০.০ |
| ৪. | ইথাইলেনেডিয়ামিনেটেড অ্যালিফ্যাটিক অ্যালকহল্স | ১৬৬.০ |
| ৫. | বেনেনাসালফোনিক অ্যাসিড, ইউরিয়া এবং ফর্মালডিহাইডের সোডিয়াম লবণ | ৪০.০ |
| ৬. | কমপ্লেক্স ইথাইলিন অক্সাইড-প্রোপাইলিন অক্সাইড | ২০.০ |
| ৭. | পলিডাইমিথাইলসিলক্সান | ০.৬ |
| ৮. | পলিসাকারাইড আঠা | ২.৫ |
| ৯. | অ্যাসোমাটিক হাইড্রোকার্বন | ৬১০.০ |
| ১০. | ১,২ বেঞ্জিসোথিয়াজোলিন-৩-ওয়ান প্লাস ২-মিথাইল ১-৪-আইসোথিয়াজোল ইন-৩-ওয়ান | ২.০ |
| ১১. | জল | যতোই পরিমাণ |
| | মোট | ১০০০.০ |

উৎপাদের ঘনত্ব - ১.০৬২৫ গ্রাম/বর্গ সেমিমি[3]

**প্রয়োগ এবং ব্যবহারের জন্যে সুপারিশ**

নিম্নে প্রদত্ত সুপারিশ অনুসারে ব্যবহারের ক্ষেত্রে, সারণীতে উল্লিখিত রোগাদি নিয়ন্ত্রণে পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল ৫০ গ্রাম/লিঃ এসই প্রভাবাত্মক নিয়ন্ত্রণ প্রদান করে।

**প্রয়োগ :**

| ফসল | রোগের সাধারণ নাম | মাত্রা / হেক্টর | | | অপেক্ষার সময়কাল (দিন) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | সং উঃ (গ্রাম) | ফর্মুলেশন (মিলিলিঃ) | জল (লিটার) | |
| চিনেবাদাম | চিনেবাদাম টিকা | ১১৪.৪৭ থেকে ১৩৭.২৫ | ৬২৫ মিলিলিঃ-৭৫০ মিলিলিঃ | ৫০০ | ২১ |
| সয়াবিন | সারকোস্পোরা পাতায় দাগ | ১৩৭.২৫ | ৭৫০ মিলিলিঃ | ৫০০ | ২৭ |
| ওকরি | মরচে রোগ | ১৩৭.২৫ | ৭৫০ মিলিলিঃ | ৭৫০ | ৩৭ |
| গম হলদে | মরচে রোগ | ১৩৭.২৫ | ৭৫০ মিলিলিঃ | ৫০০ | ৪৭ |
| জিরা | পর্যায়ক্রমে হসা | ১৩৭.২৫ | ৭৫০ মিলিলিঃ | ৫০০ | ২২ |
| ভুট্টা | পাতা হসা | ১৩৭.২৫ | ৭৫০ মিলিলিঃ | ৫০০ | ৪৮ |
| কলার | সিগাটোকা পাতায় দাগ | ১৩৭.২৫ | ৭৫০ মিলিলিঃ | ৫০০ | ২৪ |

**প্রয়োগের সময় এবং ফসলের পর্যায় :** পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল ৫০ গ্রাম/লিঃ এসই হচ্ছে রোগাদির সূত্রপাতের সঙ্গে ভপরি উল্লিখিত ফসলাদির ওপর প্রয়োগিত হলার ছত্রকনাশক। **আবহাওয়ার অবস্থান :** বৃষ্টিপাত উপশমি করার ২ ঘন্টার মধ্যেই প্রয়োগিত হলেই না। **মাটি :** কোনও সুনির্দিষ্ট অবস্থা নেই। **প্রয়োগ কৌশল, সরঞ্জামের প্রকার, নজল প্রকার :** উপযুক্ত কোন নজল লাগানোর বা হাই ভলুম প্রেয়ার ব্যবহার করা। পরিষ্কার জল দিয়ে আগেকার স্প্রেয়ার ভজন, ভারপর চিজের মধ্যে সরাসরি যথাযথ পরিমাণে পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল ৫০ গ্রাম/লিঃ এসই দিন আর জল দিয়ে অবশিষ্ট পরিমাণ ভজন। **মাত্রা :** উপরি সারণিতে প্রদত্ত সুপারিশ অনুসারে। **প্রোনোর জন্যে নির্দেশ :** পরিষ্কার জল দিয়ে আগেকার স্প্রেয়ার ভজন, ভারপর চিজের মধ্যে সরাসরি যথাযথ পরিমাণে পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল ৫০ গ্রাম/লিঃ এসই দিন আর জল দিয়ে অবশিষ্ট পরিমাণ ভজন। **পুনঃপ্রয়োগের সময়কাল :** প্রোন শক্রিয়ে যাওয়ার পরে। **নিরাইপ্রভাই :** উপরি সারণিতে প্রদত্ত সুপারিশ অনুসারে। **প্রয়োগের সময় :** কোনও সীমাবদ্ধতা নেই। **প্রোর সর্বাধিক বার সংখ্যক পুনঃপ্রয়োগ :** প্রোগের উদ্ভবের ওপর নির্ভর করে ২-৩ বার। **নানা পর্যায় চলাকালীন কোন ছত্রাকনাশক কোনও ফসলের ওপর প্রয়োগিত হবেই না :** কোনও সীমাবদ্ধতা নেই। **এই লেবেল/লিফলেটে উল্লিখিত ছাড়া ফসলসমূহের ওপর ব্যবহৃত হবে না।** **মন্তব্যকরণ :** ১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত প্যাকেজ ভালো বন্ধের অবীনে পৃথক ঘরে মন্তুত করতে হবে। ২. শিশুদের ও গৃহপালিত পশুদের থেকে দূরে, মন্তুত করার ঘর বা পরিসর হতে হবে। ৩. ছত্রাকনাশক মন্তুতকরণের ঘর বা ছাদটি হতে হবে সুনির্দিষ্ট, শুকনো, সুবাতাসযুক্ত, বাতাবিক এবং জলপ্রবাহ থাকা হওয়া সত্ত্বেও এগুলোর পর্যাপ্ত পরিমাণস্তর। **সুরক্ষা সাবধানতা :** ১. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার রাসায়নিক-নিরোধক হাতজুতো পরানো। ২. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার ক্ষেত্রে মুখমন্ডল জামা দ্বারা মুখপোশটি পরানো। ৩. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার ক্ষেত্রে আবরণযুক্ত জুতো (বুট বা কাদার কাদা জুতো) পরানো। ৪. মোশোনার সময়ে চোখের সুরক্ষা (মুখের চোখ, চোশনের বা সুরক্ষা চশমা) পরানো। ৫. খুব ও চোখের সংস্পর্শে আসা এড়ানো। ৬. কাজ চলাকালীন খাওয়া, পানীয় পান বা ধূমপান করা নিষেধ। ৭. কাজের পরে আপনার পুরো শরীর সাবান ও জল দিয়ে ধোনো। ৮. গন্ডগন্ডিদের ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল ফর্মুলেশনের সংস্পর্শ এড়াতেই হবে। ৯. সেই সম্পূর্ণরূপে শক্রিয়ে না যাওয়া পর্যন্ত ওই এলাকায় চোকা যাবে না। **বিষাক্ততার লক্ষণাদি :** গলাচাকনের ক্ষতিকারক, শ্লাস লোপে ক্ষতিকারক, নাক ও গলার অস্বস্তি হতে পারে। চোখ ও ত্বকের অস্বস্তি ঘটাতে পারে। **প্রাথমিক চিকিৎসা :** খুব্রের সংস্পর্শের ক্ষেত্রে, অবিলম্বে দূষিত পোশাক খুলে দিন। দূষিত ত্বক অবিলম্বে সাবান ও জল দিয়ে ধুয়ে দিন। বিষক্রিয়া ঘটলে, ডাক্তার বা বিষ কেন্দ্রে জানান। চোখ দূষিত হলে, অবিলম্বে প্রচুর জল দিয়ে ১৫ মিনিট ধরে চোখে ঝাপটা দিন। পিছে ফেলালে, মুখ বুঁইয়ে দিন, ডাক্তারের ওক পোলাস জল পান করান। বমি করাতে প্রয়োজিত করবেন না। **চিকিৎসকের প্রতি পরামর্শ :** বিষাক্ততার ক্ষেত্রে লক্ষণাত্মক ঘেরাপী প্রয়োগ করুন। **প্রতিষেধক :** সুনির্দিষ্ট কোনও প্রতিষেধক নেই। লক্ষণ অনুযায়ী রোগীর চিকিৎসা। **সতর্কীকরণ :** যদ্দি পাতাদি পুনর্প্রয়োগ করা দিশেলক্ষণ। **বন্ধকরণ সাবাদির নিরাপদ বিনষ্টিকরণ :** ১. খালি পাত্রকে বা উদ্ভরু পদার্থ বা প্রেয়ারগুলি বা পাত্রাদি হোয়েলি ভরবাদির এমন নিরাপদ উপায়ে নিষ্পত্তি করতে হবে যাতে পরিবেশ ও জলের ভূগর্ভের কারণ না হয়। প্রেয় হোয়েলি বা বাবহৃত প্যাকেজিং পদার্থদি নিয়ন্ত্রণের বাইরে নেই, খাল বা খুব্রের দূষিত করবেন না। দূষিত জল নাড়ি ও অন্যান্য জলজ জীবদের প্রতি ক্ষতিকারক হতে পারে। ২. ব্যবহৃত প্যাকেজগুলোর পুনর্ব্যবহার চেষ্টা করতে উদ্ভ্যত্ত্ব ফেলে রাখবেন না। ৩. খালি পাত্রটি তিনবার ধোয়ে এবং নিয়ালা ও অনুমোদিত পন্থায় বিনষ্ট করবেন।

**নির্মাতা :** বিএএসএফ এগ্রোনোমা এস.এল.

স্ট্রিট. নাগিসলাস ৬৪০ কিমিঃ ১১৫৬, ৪৬০০৬ উরারোলেনা, স্পেন।

**আমদানি, পুনঃ প্যাক এবং বিপণনকারী : বিএএসএফ ইন্ডিয়া লিমিটেড**

**পঞ্জীকৃত কার্যালয় :** প্লট নং ৬৭, চান্দিভলি ফর্মা রোড, চান্দিভলি, আন্ধেরি (পূর্ব), মুম্বই-৪০০০৭২, ভারত।

**কারখানা:** ইউনিট নং ৪, গ্রাম নিম্বুয়া, পোঃ অঃ মুরারকপুর - ১৪০ ২০১, মহকুমা দেরা বাসই, জেলা মোহালি, পাঞ্জাব।

**Bengali**

## পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রিঙ্গিকোনাজোল ৫০ গ্রাম/লিঃ ওজন/ভার এসই

## ওপেরা™ ১৮.৩% ওজন/ভার এসই

(ফুঙ্গিসাইড)

ওপেরা ১৮.৩% ওজন/ভি এসই হল ৩৪৫ গ্রাম/লি. পাইরাক্লোস্ট্রোবিন এবং ৫০ গ্রাম/লি. ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল। ইহা টানেবাদাম চিকেন রোগ, সয়াবিনের সারকোস্পোরা পাতায় দাগ রোগ, কর্ণিদ মরচে রোগ, গমের হলদে মরচে রোগ, জিরার পর্যায়ক্রমে হসা রোগ, ভুট্টার পাতা হসা আর কলার সিগাটোকা পাতায় দাগ নিয়ন্ত্রণে ভালো অত্যন্ত প্রভাবাত্মক ছত্রাকনাশক।

**রাসায়নিক সংশ্লিষ্ট :**

| ক্রম নং | উপাদান | ওজন/ভর (গ্রাম/লিঃ) |
|---|---|---|
| ১. | পাইরাক্লোস্ট্রোবিন সহ উঃ | ১৬৩.০ |
| ২. | ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল সহ উঃ | ৫০.০ |
| ৩. | ১,২-প্রোপাইলিন গ্লাইকল | ১০.০ |
| ৪. | ইথাইলেনেডিয়ামিনেটেড অ্যালিফ্যাটিক অ্যালকহল্স | ১৬৬.০ |
| ৫. | বেনেনাসালফোনিক অ্যাসিড, ইউরিয়া এবং ফর্মালডিহাইডের সোডিয়াম লবণ | ৪০.০ |
| ৬. | কমপ্লেক্স ইথাইলিন অক্সাইড-প্রোপাইলিন অক্সাইড | ২০.০ |
| ৭. | পলিডাইমিথাইলসিলক্সান | ০.৬ |
| ৮. | পলিসাকারাইড আঠা | ২.৫ |
| ৯. | অ্যাসোমাটিক হাইড্রোকার্বন | ৬১০.০ |
| ১০. | ১,২ বেঞ্জিসোথিয়াজোলিন-৩-ওয়ান প্লাস ২-মিথাইল ১-৪-আইসোথিয়াজোল ইন-৩-ওয়ান | ২.০ |
| ১১. | জল | যতোই পরিমাণ |
| | মোট | ১০০০.০ |

উৎপাদের ঘনত্ব - ১.০৬২৫ গ্রাম/বর্গ সেমিমি[3]

**প্রয়োগ এবং ব্যবহারের জন্যে সুপারিশ**

পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল ৪০ গ্রাম/লিঃ এসই ভপর উপরিউক্ত অনুযায়ের জন্যেতাদের ভরসাবাদের ভরসাবাদুদ্যা রোগেরু পুরুদ্যা ফসলের ওপর নিয়ন্ত্রণ করিয়াদ। ৭।

**প্রয়োগ :**

| ফসল | রোগের নাম | মাত্রা / হেক্টর | | | প্রয়োগের সময় (দিন) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | স.উ. (গ্রাম) | ফর্মুলেশন (মি.লি.) | পানী (লিঃ) | |
| ভিগনাবাদাম | ঠিক্কা | ৫৭৪.৭৪ ও ৭৪৭.৭৪ | ৪০০ | ৭৫ | |
| রোয়াবিন্ | ঝরেঁবোয়ারা পত্র দাগ | ৭৭৮.৭৪ | ৩৪০ মি.লি. | ৪০০ | ৭৩ |
| ভুট্টা | ঝরেঁ | ৭৭৮.৭৪ | ৩৪০ মি.লি. | ৭৪০ | ৭৩ |
| ভুট্টা | ঝরেঁবো ঝরেঁ | ৭৭৮.৭৪ | ৩৪০ মি.লি. | ৪০০ | ৩৭ |
| জারা | সমপ্রবৃত্তিবিষ্ট পাতাদাগ | ৭৭৮.৭৪ | ৩৪০ মি.লি. | ৪০০ | ৭৭ |
| গমা | পত্র প্রজাপারা | ৭৭৮.৭৪ | ৩৪০ মি.লি. | ৪০০ | ৪৮ |
| বাদানা | ঠিক্কাবোয়ারা পত্র দাগ | ৭৭৮.৭৪ | ৩৪০ মি.লি. | ৪০০ | ৭৪ |

**প্রয়োগ সময় ও ফসল স্থিতি :** পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ৭৭৮ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল ৪০ গ্রাম/লিঃ এসই ঠিক্কাদের রোগাদির সূত্রপাতের সঙ্গে ভপরি উল্লিখিত ফসলাদির ওপর প্রয়োগিত হলার ছত্রকনাশক। **আবহাওয়ার অবস্থান :** বৃষ্টিপাত উপশমি করার ২ ঘন্টার মধ্যেই প্রয়োগিত হলেই না। **মাটি :** কোনও সুনির্দিষ্ট অবস্থা নেই। **প্রয়োগ কৌশল, সরঞ্জামের প্রকার, নজল প্রকার :** উপযুক্ত কোন নজল লাগানোর বা হাই ভলুম প্রেয়ার ব্যবহার করা। পরিষ্কার জল দিয়ে আগেকার স্প্রেয়ার ভজন, ভারপর চিজের মধ্যে সরাসরি যথাযথ পরিমাণে পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল ৪০ গ্রাম/লিঃ এসই দিন আর জল দিয়ে অবশিষ্ট পরিমাণ ভজন। **মাত্রা :** উপরি সারণিতে প্রদত্ত সুপারিশ অনুসারে। **প্রোনোর জন্যে নির্দেশ :** পরিষ্কার জল দিয়ে আগেকার স্প্রেয়ার ভজন, ভারপর চিজের মধ্যে সরাসরি যথাযথ পরিমাণে পাইরাক্লোস্ট্রোবিন ১৬৩ গ্রাম/লিঃ + ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল ৪০ গ্রাম/লিঃ এসই দিন আর জল দিয়ে অবশিষ্ট পরিমাণ ভজন। **পুনঃপ্রয়োগের সময়কাল :** প্রোন শক্রিয়ে যাওয়ার পরে। **নিরাইপ্রভাই :** উপরি সারণিতে প্রদত্ত সুপারিশ অনুসারে। **প্রয়োগের সময় :** কোনও সীমাবদ্ধতা নেই। **প্রোর সর্বাধিক বার সংখ্যক পুনঃপ্রয়োগ :** প্রোগের উদ্ভবের ওপর নির্ভর করে ২-৩ বার। **নানা পর্যায় চলাকালীন কোন ছত্রাকনাশক কোনও ফসলের ওপর প্রয়োগিত হবেই না :** কোনও সীমাবদ্ধতা নেই। **এই লেবেল/লিফলেটে উল্লিখিত ছাড়া ফসলসমূহের ওপর ব্যবহৃত হবে না।** **মন্তব্যকরণ :** ১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত প্যাকেজ ভালো বন্ধের অবীনে পৃথক ঘরে মন্তুত করতে হবে। ২. শিশুদের ও গৃহপালিত পশুদের থেকে দূরে, মন্তুত করার ঘর বা পরিসর হতে হবে। ৩. ছত্রাকনাশক মন্তুতকরণের ঘর বা ছাদটি হতে হবে সুনির্দিষ্ট, শুকনো, সুবাতাসযুক্ত, বাতাবিক এবং জলপ্রবাহ থাকা হওয়া সত্ত্বেও এগুলোর পর্যাপ্ত পরিমাণস্তর। **সুরক্ষা সাবধানতা :** ১. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার রাসায়নিক-নিরোধক হাতজুতো পরানো। ২. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার ক্ষেত্রে মুখমন্ডল জামা দ্বারা মুখপোশটি পরানো। ৩. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার ক্ষেত্রে আবরণযুক্ত জুতো (বুট বা কাদার কাদা জুতো) পরানো। ৪. মোশোনার সময়ে চোখের সুরক্ষা (মুখের চোখ, চোশনের বা সুরক্ষা চশমা) পরানো। ৫. খুব ও চোখের সংস্পর্শে আসা এড়ানো। ৬. কাজ চলাকালীন খাওয়া, পানীয় পান বা ধূমপান করা নিষেধ। ৭. কাজের পরে আপনার পুরো শরীর সাবান ও জল দিয়ে ধোনো। ৮. গন্ডগন্ডিদের ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল ফর্মুলেশনের সংস্পর্শ এড়াতেই হবে। ৯. সেই সম্পূর্ণরূপে শক্রিয়ে না যাওয়া পর্যন্ত ওই এলাকায় চোকা যাবে না। **বিষাক্ততার লক্ষণাদি :** গলাচাকনের ক্ষতিকারক, শ্লাস লোপে ক্ষতিকারক, নাক ও গলার অস্বস্তি হতে পারে। চোখ ও ত্বকের অস্বস্তি ঘটাতে পারে। **প্রাথমিক চিকিৎসা :** খুব্রের সংস্পর্শের ক্ষেত্রে, অবিলম্বে দূষিত পোশাক খুলে দিন। দূষিত ত্বক অবিলম্বে সাবান ও জল দিয়ে ধুয়ে দিন। বিষক্রিয়া ঘটলে, ডাক্তার বা বিষ কেন্দ্রে জানান। চোখ দূষিত হলে, অবিলম্বে প্রচুর জল দিয়ে ১৫ মিনিট ধরে চোখে ঝাপটা দিন। পিছে ফেলালে, মুখ বুঁইয়ে দিন, ডাক্তারের ওক পোলাস জল পান করান। বমি করাতে প্রয়োজিত করবেন না। **চিকিৎসকের প্রতি পরামর্শ :** বিষাক্ততার ক্ষেত্রে লক্ষণাত্মক ঘেরাপী প্রয়োগ করুন। **প্রতিষেধক :** সুনির্দিষ্ট কোনও প্রতিষেধক নেই। লক্ষণ অনুযায়ী রোগীর চিকিৎসা। **সতর্কীকরণ :** যদ্দি পাতাদি পুনর্প্রয়োগ করা দিশেলক্ষণ। **বন্ধকরণ সাবাদির নিরাপদ বিনষ্টিকরণ :** ১. খালি পাত্রকে বা উদ্ভরু পদার্থ বা প্রেয়ারগুলি বা পাত্রাদি হোয়েলি ভরবাদির এমন নিরাপদ উপায়ে নিষ্পত্তি করতে হবে যাতে পরিবেশ ও জলের ভূগর্ভের কারণ না হয়। প্রেয় হোয়েলি বা বাবহৃত প্যাকেজিং পদার্থদি নিয়ন্ত্রণের বাইরে নেই, খাল বা খুব্রের দূষিত করবেন না। দূষিত জল নাড়ি ও অন্যান্য জলজ জীবদের প্রতি ক্ষতিকারক হতে পারে। ২. ব্যবহৃত প্যাকেজগুলোর পুনর্ব্যবহার চেষ্টা করতে উদ্ভ্যত্ত্ব ফেলে রাখবেন না। ৩. খালি পাত্রটি তিনবার ধোয়ে এবং নিয়ালা ও অনুমোদিত পন্থায় বিনষ্ট করবেন।

**নির্মাতা :** বিএএসএফ এগ্রোনোমা এস.এল.

স্ট্রিট. নাগিসলাস ৬৪০ কিমিঃ ১১৫৬, ৪৬০০৬ উরারোলেনা, স্পেন।

**আমদানি, পুনঃ প্যাক এবং বিপণনকারী : বিএএসএফ ইন্ডিয়া লিমিটেড**

**পঞ্জীকৃত কার্যালয় :** প্লট নং ৬৭, চান্দিভলি ফর্মা রোড, চান্দিভলি, আন্ধেরি (পূর্ব), মুম্বই-৪০০০৭২, ভারত।

**কারখানা:** ইউনিট নং ৪, গ্রাম নিম্বুয়া, পোঃ অঃ মুরারকপুর - ১৪০ ২০১, মহকুমা দেরা বাসই, জেলা মোহালি, পাঞ্জাব।

**Oriya**

## ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন 1.33 গ্রা./লি. + ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল 50 গ্রা./লি. ডব্লু./ভি এস্ই

## ঒পেরা™ 18.3% ডব্লু/ভি এস্ই

(ঠত্রাকনাশক)

঒পেরা 18.3% ডব্লু/ভি এস্ই'তে আছে 133 গ্রা/লি ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন মতুঃ 50 গ্রা/লি ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল। ইহা চানাবাদাম টিকা রোগ, সয়াবিনের সারকোস্পোরা পাতায় দাগ রোগ, কর্ণিদ মরচে রোগ, গমের হলদে মরচে রোগ, জিরার পর্যায়ক্রমে হসা রোগ, ভুট্টার পাতা হসা রোগ, গরুপ্যোয়ুপ্যোর ব্লাইট রোগ, জংগোবাদুয়া অলুপ্যোয়ুয়ান ব্লাইট রোগ, মাসাবাই জীবণদৌড় এবং ব্লাইট রোগ মতুঃ চানাবাদ, কলার সিগাটোকা পাতায় দাগ নিয়ন্ত্রণে ভালো অত্যন্ত প্রভাবাত্মক ছত্রাকনাশক।

**রাসায়নিক বাগুদলা :**

| ক্রমাঙ্ক | উপাদান | ডব্লু/ভি (গ্রা./কি.) |
|---|---|---|
| ১. | ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন সহ. | ১৩৩.০ |
| ২. | ইমাজ়ি কৈনাজোল সহ. | ৫০.০ |
| ৩. | 1,2 প্রোপাইলি গ্লি কল | ১০.০ |
| ৪. | ইথ্রাকইলেডাই অলিফ্যাটিকাই এলিক্যুহল অলিফ্যাটাল | ১৩৩.০ |
| ৫. | ইউরেপাইরাই অলিফ্যাটিকাই এলিক্যুহল সাল্ট, ফরমালডিহাইড | ৪০.০ |
| ৬. | কমপ্লেক্স ইথাইলিন অক্সাইড-প্রোপাইলিন অক্সাইড | ২০.০ |
| ৭. | পলিডাইমিথাইলসিলক্সান | ০.৬ |
| ৮. | পলিসাকারাইড আঠা | ২.৫ |
| ৯. | অ্যাসোমাটিক হাইড্রোকার্বন | ৩১০.০ |
| ১০. | ১,২ বেঞ্জিসোথিয়াজোলিন-৩-ওয়ান প্লাস ২-মিথাইল ১-৪-আইসোথিয়াজোল ইন-৩-ওয়ান | ২.০ |
| ১১. | জল | যতোই পরিমাণ |
| | মোট | ১০০০.০ |

ঘনত্বাংশ সাংদ্রতা - 1.0325গ্রা./সি.মিঃ[3]

**প্রয়োগ এবং ব্যবহারের সুপারিশ**

ঈ ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল 50% গ্রা/লি এস্ই - ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন্ডু ঈপ্রোঙ্গিকোনাজোল রোগগুলি এবংভুদ্র প্রাদুর্ভাবকারক নিয়ন্ত্রণের নিমন্ত্রণ্ডেন।

**প্রয়োগের :**

| ফসল | রোগের নাম | প্রয়োগের / হেক্টর | | কার্যকাল অবধি (দিনগুলি) |
|---|---|---|---|---|
| | | স.উ. (গ্রাম/লি.) | ফার্মুলেশন (মি.লি.) | |
| নিলকাডেল | ঠিক্কা | 114.37 থেকে 137.25 | 625মি.লি. থেকে 750 মি.লি. | 21 |
| সোয়াবিন | সেরকোস্পোরা এলি-ডাউট | 137.25 | 750 মিলিলি | 27 |
| কাঞ্চা | ঝরুয়া রোগগুলি | 137.25 | 750 মিলিলি | 37 |
| গমেরাই | ঝর্ণা ঝরুয়া | 137.25 | 750 মিলিলি | 47 |
| জংগোবাই | অলুপ্যোগোয়ান ব্লাইট | 137.25 | 750 মিলিলি | 22 |
| জীরাই | ঠিক্কা | 137.25 | 750 মিলিলি | 48 |
| ভাবাইয়া | মাসাবাইরাস এলি ডাউট | 137.25 | 750 মিলিলি | 24 |

**চানাবাদ সময়ে ভাগের চেইন ভাঙ:** ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন 133 গ্রা/লি/ + ইমাজ়ি কৈনাজোল ঈপ্রোঙ্গিকোনাজোল 50 গ্রা/লি/ ডব্লু/ভি এস্ই ভপরি উল্লিখিত ফসলাদির ওপর প্রয়োগিত হলার ছত্রকনাশক। **আবহাওয়ার অবস্থান :** বৃষ্টিপাত উপশমি করার ২ ঘন্টার মধ্যেই প্রয়োগিত হলেই না। **মাটি :** কোনও সুনির্দিষ্ট অবস্থা নেই। **প্রয়োগ কৌশল, সরঞ্জামের প্রকার, নজল প্রকার :** উপযুক্ত কোন নজল লাগানোর বা হাই ভলুম প্রেয়ার ব্যবহার করা। পরিষ্কার জল দিয়ে আগেকার স্প্রেয়ার ভজন, ভারপর চিজের মধ্যে সরাসরি যথাযথ পরিমাণে ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন 133 গ্রা/লি/ + ইমাজ়ি কৈনাজোল ঈপ্রোঙ্গিকোনাজোল 50 গ্রা/লি/ ডব্লু/ভি এস্ই দিন আর জল দিয়ে অবশিষ্ট পরিমাণ ভজন। **মাত্রা :** উপরি সারণিতে প্রদত্ত সুপারিশ অনুসারে। **প্রোনোর জন্যে নির্দেশ :** পরিষ্কার জল দিয়ে আগেকার স্প্রেয়ার ভজন, ভারপর চিজের মধ্যে সরাসরি যথাযথ পরিমাণে ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন 133 গ্রা/লি/ + ইমাজ়ি কৈনাজোল ঈপ্রোঙ্গিকোনাজোল 50 গ্রা/লি/ ডব্লু/ভি এস্ই দিন আর জল দিয়ে অবশিষ্ট পরিমাণ ভজন। **পুনঃপ্রয়োগের সময়কাল :** প্রোন শক্রিয়ে যাওয়ার পরে। **নিরাইপ্রভাই :** উপরি সারণিতে প্রদত্ত সুপারিশ অনুসারে। **প্রয়োগের সময় :** কোনও সীমাবদ্ধতা নেই। **প্রোর সর্বাধিক বার সংখ্যক পুনঃপ্রয়োগ :** প্রোগের উদ্ভবের ওপর নির্ভর করে ২-৩ বার। **নানা পর্যায় চলাকালীন কোন ছত্রাকনাশক কোনও ফসলের ওপর প্রয়োগিত হবেই না :** কোনও সীমাবদ্ধতা নেই। **এই লেবেল/লিফলেটে উল্লিখিত ছাড়া ফসলসমূহের ওপর ব্যবহৃত হবে না।** **মন্তব্যকরণ :** ১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত প্যাকেজ ভালো বন্ধের অবীনে পৃথক ঘরে মন্তুত করতে হবে। ২. শিশুদের ও গৃহপালিত পশুদের থেকে দূরে, মন্তুত করার ঘর বা পরিসর হতে হবে। ৩. ছত্রাকনাশক মন্তুতকরণের ঘর বা ছাদটি হতে হবে সুনির্দিষ্ট, শুকনো, সুবাতাসযুক্ত, বাতাবিক এবং জলপ্রবাহ থাকা হওয়া সত্ত্বেও এগুলোর পর্যাপ্ত পরিমাণস্তর। **সুরক্ষা সাবধানতা :** ১. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার রাসায়নিক-নিরোধক হাতজুতো পরানো। ২. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার ক্ষেত্রে মুখমন্ডল জামা দ্বারা মুখপোশটি পরানো। ৩. মোশোনার সময়ে এবং প্রেয়ার করার ক্ষেত্রে আবরণযুক্ত জুতো (বুট বা কাদার কাদা জুতো) পরানো। ৪. মোশোনার সময়ে চোখের সুরক্ষা (মুখের চোখ, চোশনের বা সুরক্ষা চশমা) পরানো। ৫. খুব ও চোখের সংস্পর্শে আসা এড়ানো। ৬. কাজ চলাকালীন খাওয়া, পানীয় পান বা ধূমপান করা নিষেধ। ৭. কাজের পরে আপনার পুরো শরীর সাবান ও জল দিয়ে ধোনো। ৮. গন্ডগন্ডিদের ইপ্রোঙ্গিকোনাজোল ফর্মুলেশনের সংস্পর্শ এড়াতেই হবে। ৯. সেই সম্পূর্ণরূপে শক্রিয়ে না যাওয়া পর্যন্ত ওই এলাকায় চোকা যাবে না। **বিষাক্ততার লক্ষণাদি :** গলাচাকনের ক্ষতিকারক, শ্লাস লোপে ক্ষতিকারক, নাক ও গলার অস্বস্তি হতে পারে। চোখ ও ত্বকের অস্বস্তি ঘটাতে পারে। **প্রাথমিক চিকিৎসা :** খুব্রের সংস্পর্শের ক্ষেত্রে, অবিলম্বে দূষিত পোশাক খুলে দিন। দূষিত ত্বক অবিলম্বে সাবান ও জল দিয়ে ধুয়ে দিন। বিষক্রিয়া ঘটলে, ডাক্তার বা বিষ কেন্দ্রে জানান। চোখ দূষিত হলে, অবিলম্বে প্রচুর জল দিয়ে ১৫ মিনিট ধরে চোখে ঝাপটা দিন। পিছে ফেলালে, মুখ বুঁইয়ে দিন, ডাক্তারের ওক পোলাস জল পান করান। বমি করাতে প্রয়োজিত করবেন না। **চিকিৎসকের প্রতি পরামর্শ :** বিষাক্ততার ক্ষেত্রে লক্ষণাত্মক ঘেরাপী প্রয়োগ করুন। **প্রতিষেধক :** সুনির্দিষ্ট কোনও প্রতিষেধক নেই। লক্ষণ অনুযায়ী রোগীর চিকিৎসা। **সতর্কীকরণ :** যদ্দি পাতাদি পুনর্প্রয়োগ করা দিশেলক্ষণ। **বন্ধকরণ সাবাদির নিরাপদ বিনষ্টিকরণ :** ১. খালি পাত্রকে বা উদ্ভরু পদার্থ বা প্রেয়ারগুলি বা পাত্রাদি হোয়েলি ভরবাদির এমন নিরাপদ উপায়ে নিষ্পত্তি করতে হবে যাতে পরিবেশ ও জলের ভূগর্ভের কারণ না হয়। প্রেয় হোয়েলি বা বাবহৃত প্যাকেজিং পদার্থদি নিয়ন্ত্রণের বাইরে নেই, খাল বা খুব্রের দূষিত করবেন না। দূষিত জল নাড়ি ও অন্যান্য জলজ জীবদের প্রতি ক্ষতিকারক হতে পারে। ২. ব্যবহৃত প্যাকেজগুলোর পুনর্ব্যবহার চেষ্টা করতে উদ্ভ্যত্ত্ব ফেলে রাখবেন না। ৩. খালি পাত্রটি তিনবার ধোয়ে এবং নিয়ালা ও অনুমোদিত পন্থায় বিনষ্ট করবেন।

**নির্মাতা :** বিএএসএফ এগ্রোনোমা এস.এল.

স্ট্রিট. নাগিসলাস ৬৪০ কিমিঃ ১১৫৬, ৪৬০০৬ উরারোলেনা, স্পেন।

**আমদানি, পুনঃ প্যাক এবং বিপণনকারী : বিএএসএফ ইন্ডিয়া লিমিটেড**

**পঞ্জীকৃত কার্যালয় :** প্লট নং ৬৭, চান্দিভলি ফর্মা রোড, চান্দিভলি, আন্ধেরি (পূর্ব), মুম্বই-৪০০০৭২, ভারত।

**কারখানা:** ইউনিট নং ৪, গ্রাম নিম্বুয়া, পোঃ অঃ মুরারকপুর - ১৪০ ২০১, মহকুমা দেরা বাসই, জেলা মোহালি, পাঞ্জাব।

**Kanada**

## ফৈরাক্লোস্ট্রোবিন 133 গ্রা/লি + এপোক্সিকোনাজোল 50 গ্রা/লি ব/প এস্ই

## ঒পেরা™ 18.3% ব/প এস্ই

(ঠত্রাকনাশক)

঒পেরা 18.3% এসিফ্রো ফৈরাক্